



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 30 अप्रैल, 2026

जारी करने का समय: 1330 घंटे

- विषय:** (i) इस सप्ताह के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा उत्तरपूर्वी भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-60 किमी प्रति घंटा) के साथ व्यापक से लेकर व्यापक वर्षा होने की संभावना है, साथ ही भारी से बहुत भारी वर्षा भी हो सकती है।
- (ii) 3 से 6 मई के दौरान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र, उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों और उससे सटे मध्य भारत में छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-60 किमी प्रति घंटा) की संभावना है।

आज, 30 अप्रैल, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ केरल और माहे में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में छिटपुट स्थानों पर 50-110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई; अरुणाचल प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में छिटपुट स्थानों पर 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।
- ❖ उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, बिहार, झारखंड और ओडिशा में ओलावृष्टि की सूचना मिली है।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में लू की स्थिति बनी हुई है।
- ❖ राजस्थान के कुछ छिटपुट इलाकों में रात के समय गर्म मौसम बना रहा।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, पूर्वोत्तर भारत और उससे सटे पूर्वी भारत को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम दैनिक तापमान 40°C से 46°C के बीच रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 45.8°C बांदा (उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर अधिकतम दैनिक तापमान सामान्य से काफी अधिक (> 5.1°C) रहा। अरुणाचल प्रदेश और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल, ओडिशा, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, तेलंगाना और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा। विदर्भ में कई स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा; सौराष्ट्र

और कच्छ, तटीय कर्नाटक और केरल और माहे में कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक रहा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान (-1.5°C से 1.5°C) रहा। लक्षद्वीप में कई स्थानों पर, मराठवाड़ा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में अधिकांश स्थानों पर, बिहार, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब में कुछ स्थानों पर, और असम, मेघालय, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहा।

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में न्यूनतम/रात्रि का तापमान 13-19°C के बीच रहा। देश के शेष मैदानी क्षेत्रों में यह तापमान 20-26°C के बीच रहा।
- ❖ मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ में न्यूनतम/रात्रि का तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, कोंकण और गोवा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे में सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0°C) रहा; देश के शेष भागों में सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों में निचले और मध्य स्तरों पर स्थित है।
- ❖ प्रेरित ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी पंजाब और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडल स्तर पर स्थित है।
- ❖ ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश में निचले क्षोभमंडल स्तर पर स्थित है।
- ❖ ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्वी बांग्लादेश में निचले क्षोभमंडल स्तर पर स्थित है।
- ❖ ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश में निचले क्षोभमंडल स्तर पर स्थित है।
- ❖ निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों के बीच पछुआ हवाओं में एक गर्त लगभग 90° पूर्व देशांतर के अनुदिश 22° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ 2 मई 2026 से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।
- ❖ प्रतिचक्रवाती परिसंचरण आंतरिक महाराष्ट्र और उससे सटे तेलंगाना में निचले क्षोभमंडल स्तर पर स्थित है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 अप्रैल से 6 मई तक और असम और मेघालय में 30 अप्रैल से 4 मई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में 30 अप्रैल और 1 मई को, असम और मेघालय में 2 और 3 मई को और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 अप्रैल से 2 मई तक अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर में 2 से 5 मई के दौरान, हिमाचल प्रदेश में 30 अप्रैल, 3 और 4 मई के दौरान, और उत्तराखंड में 30 अप्रैल से 6 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।

- ❖ पंजाब में 3 से 6 मई के दौरान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 30 अप्रैल, 1 और 3 से 6 मई के दौरान, उत्तर प्रदेश में 30 अप्रैल और 4 से 6 अप्रैल के दौरान, पश्चिमी राजस्थान में 2 और 3 मई के दौरान, और पूर्वी राजस्थान में 2 से 6 मई के दौरान छिटपुट से लेकर छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश में 30 अप्रैल को छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 29 अप्रैल से 3 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, और 29 अप्रैल से 5 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 29 अप्रैल से 3 मई के दौरान बिहार में, और 29 अप्रैल से 5 मई के दौरान झारखंड और ओडिशा में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 29 और 30 अप्रैल को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 29 अप्रैल को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट रूप से अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 29 अप्रैल से 3 मई के दौरान, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 29 और 30 अप्रैल को, और बिहार में 29 अप्रैल को भारी वर्षा की संभावना है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 30 अप्रैल और 1 मई को भी भारी वर्षा हो सकती है।
- ❖ ओडिशा में 29 अप्रैल को और झारखंड में 30 अप्रैल को ओलावृष्टि की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ अगले 5 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा, गरज के साथ बिजली गिरने और तेज हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है; विदर्भ में 2 से 4 मई के दौरान भी यही स्थिति रहेगी।
- ❖ 30 अप्रैल को पूर्वी मध्य प्रदेश में और 30 अप्रैल और 4 मई को छत्तीसगढ़ में गरज के साथ आंधी (50-60 किमी प्रति घंटा की गति से हवा के झोंके, 70 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 30 अप्रैल को छत्तीसगढ़ में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 30 अप्रैल से 4 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, रायलसीमा, तेलंगाना, केरल और माहे में छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 3 और 4 मई को, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 30 अप्रैल से 3 मई को, लक्षद्वीप और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 30 अप्रैल और 1 मई को बिजली गिरने के साथ बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 अप्रैल को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ 30 अप्रैल से 2 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल और माहे में भारी बारिश की भी संभावना है। 30 अप्रैल और 1 मई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 30 अप्रैल और 1 मई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम में 2 मई तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है; 3 से 6 मई के दौरान इसमें 3 से 5°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ मध्य भारत में 1 मई तक अधिकतम तापमान में लगभग 2°C की क्रमिक गिरावट होने की संभावना है और 2 से 6 मई के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- ❖ विदर्भ के कुछ स्थानों पर 30 अप्रैल और 1 मई को, और पश्चिमी राजस्थान में 2 और 3 मई को ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ ओडिशा में 30 अप्रैल और 1 मई को, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 30 अप्रैल से 4 मई तक, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में 30 अप्रैल से 2 मई तक और तटीय कर्नाटक में 30 अप्रैल को गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति रहने की प्रबल संभावना है।

मछुआरों को चेतावनी:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 30 अप्रैल से 5 मई, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:
- ❖ बंगाल की खाड़ी: उत्तरी ओडिशा तट और उससे सटे उत्तरी आंध्र प्रदेश तट, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश तट, और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों, उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के आस-पास के हिस्सों और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में 30 अप्रैल से 5 मई के दौरान न जाएं।
- ❖ अरब सागर: कोई चेतावनी नहीं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 30 अप्रैल से 03 मई 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ केरल और माहे: मवेलिकारा (जिला अलापुझा) 13; कुरुदामनिल (जिला पथानामथिट्टा) 8;
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: बेंगलुरु शहर (जिला बेंगलुरु शहरी) 11; चित्रदुर्ग (जिला चित्रदुर्ग) 7;
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: अमता (जिला हावड़ा) 10; कलाईकुंडा (आईएएफ) (जिला पश्चिमी मिदनापुर) 7; कैनिंग (जिला दक्षिण 24 परगना), उलुबेरिया (जिला हावड़ा), कौंटाई (जिला पूर्वी मिदनापुर), बर्नपुर (जिला पश्चिम बर्धमान), मो साल्टलेक (जिला उत्तर 24 परगना) 6 प्रत्येक;
- ❖ उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: बारादिघी टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), मयनागुड़ी कॉलेज (जिला जलपाईगुड़ी) 7 प्रत्येक; माथाभांगा (जिला कूच बिहार), हासीमारा (जिला अलीपुरद्वार), अलीपुरद्वार पीटीओ (जिला अलीपुरद्वार), फागु टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 6 प्रत्येक;
- ❖ जम्मू-कश्मीर लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद: बटोटे (जिला रामबन) 7;
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: थिरपराप्पु (जिला कन्याकुमारी), नालुमुक्कु (जिला तिरुनेलवेली), उथु (जिला तिरुनेलवेली) 6 प्रत्येक;

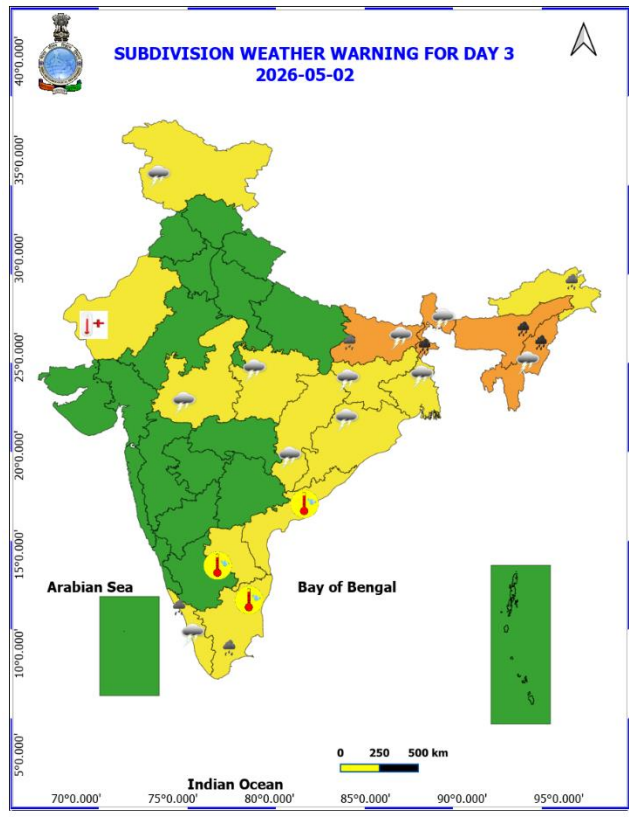
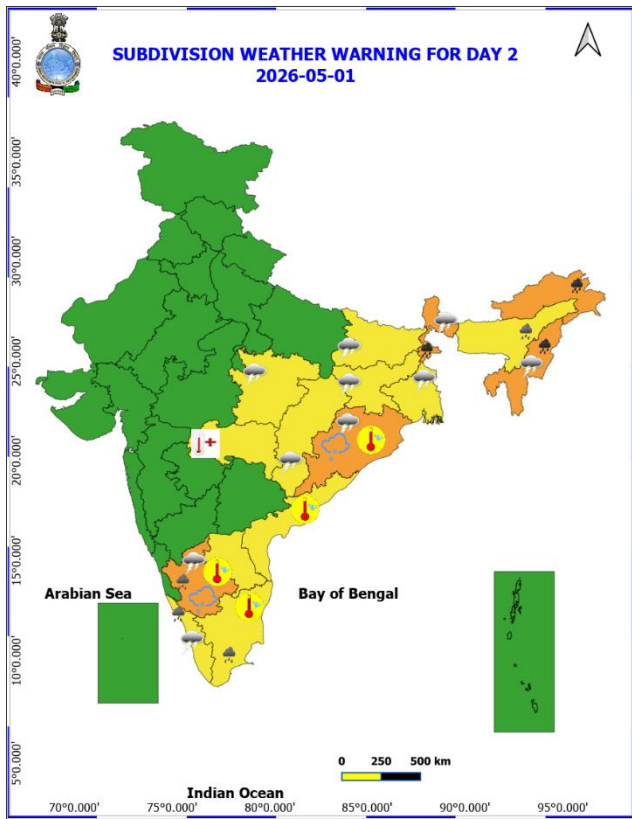
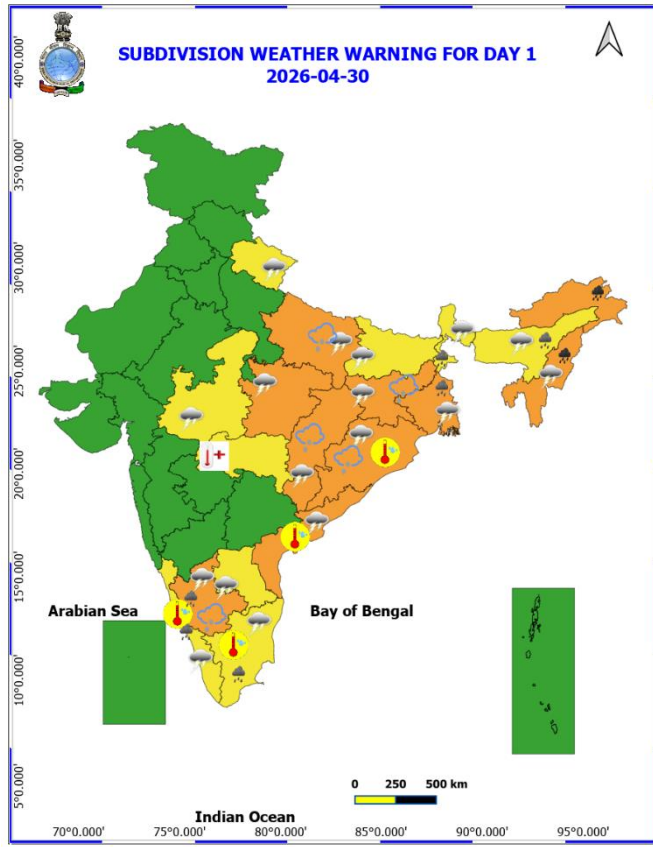
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यानम: तेक्काली (जिला श्रीकाकुलम) 6;
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: रॉबर्ट्सगंज (जिला सोनभद्र) 6.

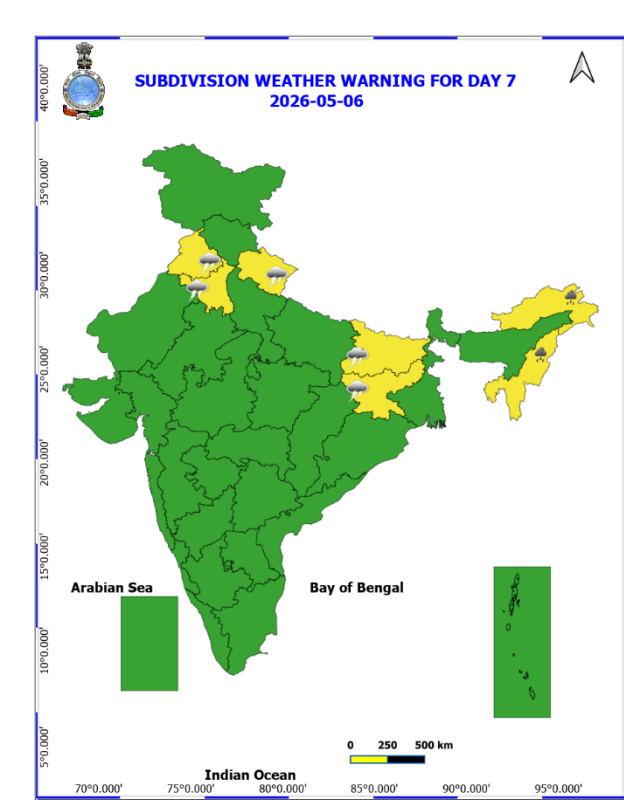
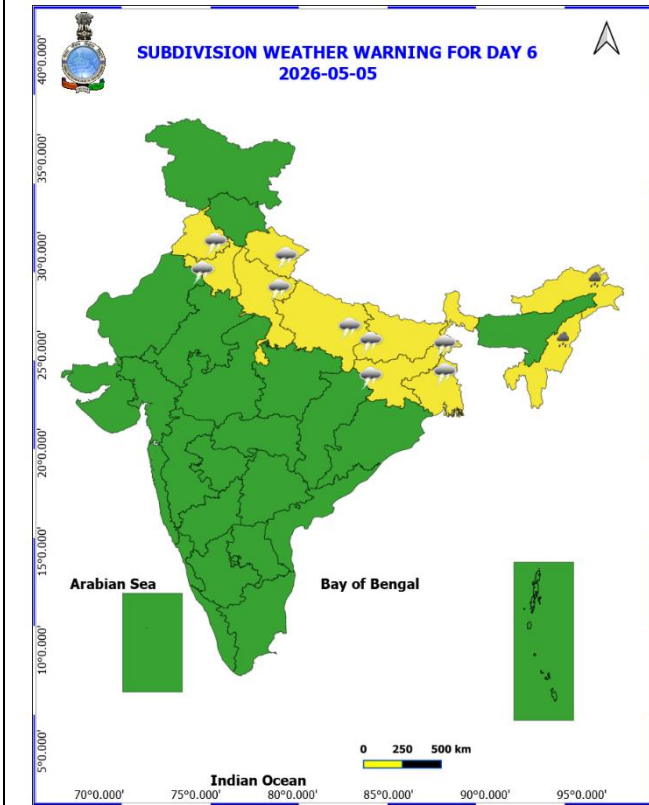
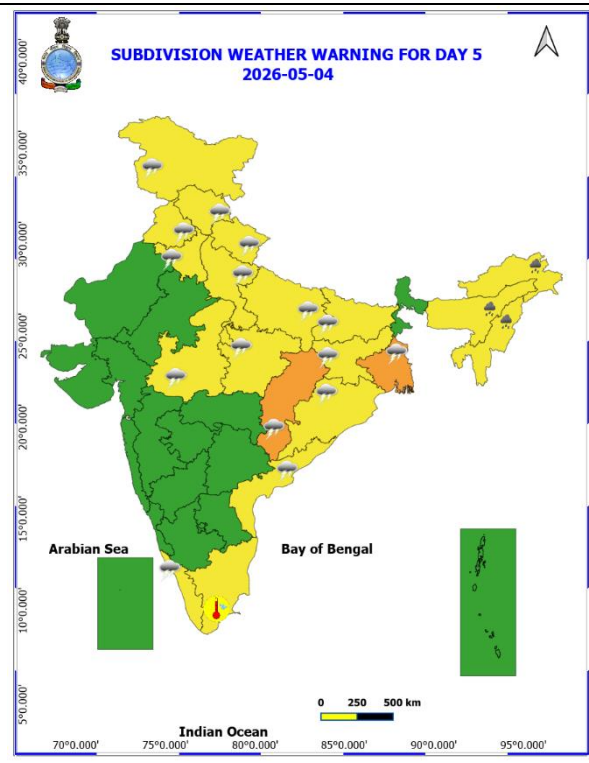
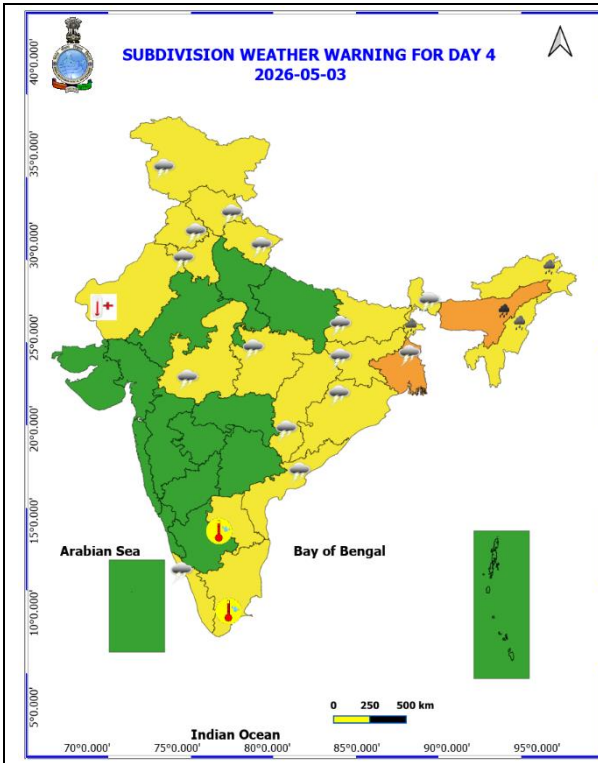
कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: वाराणसी 109, अयोध्या 87, गाज़ीपुर 65, फुरसतगंज 57, गोरखपुर 56, वाराणसी भू 56, सुल्तानपुर 46, लखनऊ 41, प्रयागराज 41, कानपुर 37, चुरक 37, प्रयागराज 37, गोरखपुर 37,
- ❖ असम और मेघालय: मानस 76, सलाकाटी_एजीसीएल 39, कॉलेज_ऑफ_हॉर्टिक्यूलर_फार्मिंग_सिस्टम_रिसर्च 37, बारपेटा 31, ज़र्स_गोसाईगांव 31, शिलांग (एख) 39
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: कंचनपुर 61, लेम्बुचेरा 39, ए.डी.नगर 35, नलकाटा 33, मनपाथर 39, महारानी 41, तेलियामुरा_बैराज 98, हेज़ामारा 68
- ❖ उत्तराखंड: चमोली में 54, पंतनगर_अम्फु में 43, चंपावत में 43, कपकोट में 41
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: पाशीघाट 30
- ❖ जम्मू-कश्मीर: रामबन 33
- ❖ हिमाचल प्रदेश: टैबो 50
- ❖ उत्तराखंड: चमोली में 54, पंतनगर_अम्फु में 43, चंपावत में 43, कपकोट में 41
- ❖ पंजाब: होशियारपुर 50
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: अमरोहा 54, इटावा 50, मैनपुरी 44, बुलन्दशहर 44, आगरा 41, बरेली 41,
- ❖ पश्चिमी राजस्थान: जोधपुर 53
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: अशोकनगर, आगर, सीहोर, इंदौर 48
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर 54, जबलपुर 44, सतना, रीवा 41
- ❖ छत्तीसगढ़: कोरिया 50
- ❖ कोंकण और गोवा: कर्जत (रायगढ़) 37, पालघर 37
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: जलगांव 43, शहादा (नंदुरबार) 41
- ❖ मराठावाड़ा: अंबेजोगाई (बीड) 43, परभणी 31
- ❖ गुजरात क्षेत्र: अरनेज (अहमदाबाद) 50
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: तारघड़िया (राजकोट) 50
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: नाथम_इसरो (डिंडीगुल) 54 किमी प्रति घंटा, उपासी_टी_रिसर्च_फाउंडेशन (कोयंबटूर) 39, थिरुचेंदुर (थूथुकुडी) 39

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	30- Apr	1- May	2- May	3- May	4- May	5- May	6- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	SCT
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	FWS	SCT	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
9	BIHAR	SCT	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	ISOL	SCT	WS	FWS	SCT	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

30 अप्रैल से 3 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1-3°C की गिरावट और न्यूनतम तापमान में 3-5°C की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 36-39°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24-25°C की सीमा में रहा। दिल्ली में कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और बाकी जगहों पर सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली में कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C), कई जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और बाकी जगहों पर सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतह पर हवा की गति 18 kmph तक रही, जो झोंकों के साथ 35 mph तक पहुंच गई; हवा पूर्वी दिशा से चली। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने और सतह पर हवा की गति 15 kmph तक रहने की संभावना है; हवा दक्षिण-पूर्वी दिशा से चलेगी।

मौसम पूर्वानुमान:

30.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय गरज-चमक के साथ मौसम बदलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 38°C से 40°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकांश जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर मुख्य रूप से उत्तरी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 kmph तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी और पूर्वी दिशा से 10 kmph से भी कम हो जाएगी।

01.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़ेगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 kmph से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी और उत्तर दिशा से 15 kmph से कम हो जाएगी।

02.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40°C से 42°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6 से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर चलने वाली हवा की गति बढ़ेगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 18 kmph तक पहुँच जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर चलने वाली हवा की गति कम होगी और उत्तर दिशा से 10 kmph तक हो जाएगी।

03.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो बाद में आम तौर पर बादलों से घिरा हो जाएगा। दोपहर के समय गरज/बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (जिनकी गति 30-40 kmph तक पहुँच सकती है और झोंकों में 50 kmph तक हो सकती है) के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38°C से 40°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तरी दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्वी दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति और बढ़ेगी, जो दक्षिण-पूर्वी दिशा से 25 kmph से कम रहेगी।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ तूफ़ान के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

•चेतावनी: बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (30-40 kmph, झोंकों में 50 kmph तक) के साथ तूफ़ान आने और धूल भरी हवाएँ चलने की संभावना है।

•असर: पेड़ों की डालियाँ टूट सकती हैं, पेड़ उखड़ सकते हैं, फ़सलों को नुकसान पहुँच सकता है, बिजली और संचार लाइनें बाधित हो सकती हैं, कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान पहुँच सकता है, और हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।

•सलाह: घर के अंदर रहें और खिड़की-दरवाज़े बंद रखें। अगर हो सके तो यात्रा करने से बचें। पेड़ों के नीचे शरण न लें। कंक्रीट की दीवारों/फ़र्श, पानी के स्रोतों और बिजली के तारों से दूर रहें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकाल दें और मौसम बिगड़ने की स्थिति के लिए सतर्क रहें।

छिटपुट तूफ़ान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- 1 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 30 अप्रैल, 3 और 4 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 2 अप्रैल को बिहार में, 30 अप्रैल को झारखंड में, 30 अप्रैल और 1 मई को ओडिशा में; 30 अप्रैल को पूर्वी मध्य प्रदेश में, 30 अप्रैल और 4 मई को छत्तीसगढ़ में; 30 अप्रैल को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- 30 अप्रैल और 1 मई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है। 30 अप्रैल को पूर्वी उत्तर प्रदेश में, 30 अप्रैल और 1 मई को ओडिशा में, 30 अप्रैल को झारखंड में और 30 अप्रैल को छत्तीसगढ़ में भी छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फ़र्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

बहुत भारी वर्षा/भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 अप्रैल से 6 मई तक तथा असम और मेघालय में 30 अप्रैल से 4 मई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में 30 अप्रैल और 1 मई तथा असम और मेघालय में 2 और 3 मई को तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 अप्रैल से 2 मई तक अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 30 अप्रैल से 3 मई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 30 अप्रैल को और बिहार में 2 मई को भी भारी वर्षा की संभावना है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 1 और 2 मई को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल तथा केरल और माहे में भी 30 अप्रैल से 2 मई तक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 30 अप्रैल और 1 मई को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।
- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

ऊष्ण लहर के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ विदर्भ के कुछ स्थानों पर 30 अप्रैल और 1 मई को तथा पश्चिमी राजस्थान में 2 और 3 मई को लू चलने की प्रबल संभावना है।

अलर्ट क्षेत्र:

- ❖ लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में उच्च तापमान और लू के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।
- ❖ शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों जैसे संवेदनशील लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं हैं।
- ❖ गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अरुणाचल प्रदेश** में, पत्ता गोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाली धान की किस्मों और आलू की उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान, मक्का, आदि खड़ी फसलों, सब्जियों और बागानों के खेतों में उचित जल निकासी करें।
- **असम** में फसलों के खेतों में जल जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें। परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई को प्राथमिकता दें और उपज को सूखे एवं ढके हुए भंडार में सुरक्षित रखें। संवेदनशील नर्सरी बेड को ढकने के लिए प्लास्टिक शीट या अस्थायी जाल (नेट) का उपयोग करें।
- **मेघालय** में गाजर, भिंडी और फ्रेंच बीन की बुवाई को फिलहाल स्थगित करें। मक्का, अदरक और टमाटर के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। फसलों के गिरने से बचाव के लिए सहारा (स्टेकिंग/बांस का सहारा) प्रदान करें।
- **नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा**, धान के पूर्व-खरीफ वानस्पतिक चरण के दौरान 5-8 सेमी जल स्तर बनाए रखें, फसल के खेत में लंबे समय तक बारिश के पानी के ठहराव से बचें।
- **पश्चिम बंगाल और सिक्किम** में, विशेष रूप से अदरक, टमाटर और डल्ले खुरसानी मिर्च के खेतों में जलभराव रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लौकी वर्गीय फसलें और डल्ले खुरसानी की नर्सरी को पॉलीथीन शीट या एगो-नेट से ढककर पौधों की सुरक्षा करें। इसके अतिरिक्त, अदरक के खेतों में वर्षा के सीधे प्रभाव को कम करने के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लच सामग्री का उपयोग करें।
- **केरल** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें तथा केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **तमिलनाडु** में, उड़द, हरी मूंग, गन्ना, बागानों और सब्जियों में जल जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **महाराष्ट्र - विदर्भ** में ग्रीष्मकालीन मूंग, मूंगफली, प्याज, सूरजमुखी, तिल, चारा फसलो, बागवानी फसलों और सब्जियों में सुबह-शाम के समय आवश्यकतानुसार हल्की और बार-बार सिंचाई करें। वाष्पीकरण को कम करने के लिए सब्जी और बगीचे की फसलों में पुआल बिछाकर मल्लिचंग करें, और नई बोई गई फसलों के लिए शेड नेट लगाएं।
- **मध्य प्रदेश** - मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों को आवश्यकतानुसार नियमित रूप से सिंचाई करें।
- **राजस्थान** - जायद मूंग, अमेरिकी कपास और देसी कपास, भिंडी, तरबूज, खरबूजा, टिंडा, ककड़ी और तरबूज जैसी खड़ी फसलों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई प्रदान करें।
- **ओडिशा** - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, हरा चना, काला चना, मूंगफली और सब्जियों के खेतों में हल्की सिंचाई प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- **तेलंगाना** - आवश्यकतानुसार आम के बागों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।
- खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल अवशेषों, पुआल या पॉलिथीन से मल्लिचंग करें।

तूफान / तेज हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। कटी हुई फसलों को ठीक से बांधकर ढक दें ताकि तेज हवाओं के कारण उनके खिसकने का खतरा कम हो सके।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।

- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

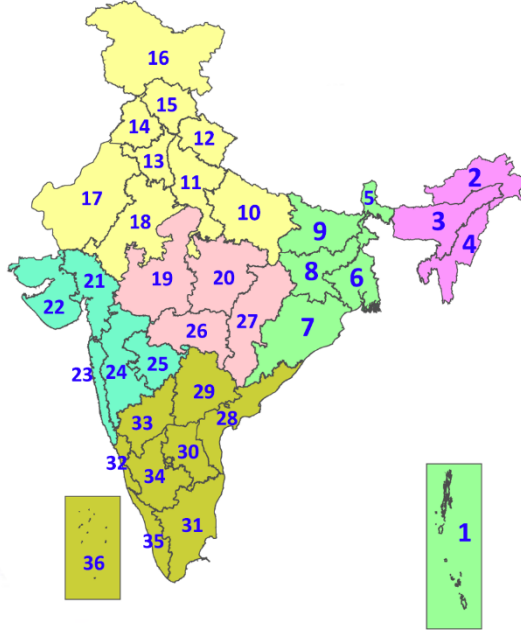
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला: NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ\text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)